

किया यकीन नहीं तुमने-ये-नजर कैसी SSS
खुली नजर से, नजर देखली. नजर कैसी S1211

मिली है रोशनी, नजरों को-परखने के लिये SSS
भुला दी आज, हुकी कल तो-ये-नजर कैसी

किया यकीन-----

बड़े करीब से, मर्क की दया को-देखा है SSS S1211
मिला दुलार मगर-तेरी ये-नजर कैसी

किया यकीन-----

नजर अंदाज, इरादों में-शिकायत इतनी SSS
समझ न पाये, हमें अपने-ये नजर कैसी

किया यकीन-----

हुये गरीब तो, सत् धर्म-साथ-आ ही गये SSS S12
हर एक नूर की, चाहत में-ये-नजर कैसी

किया यकीन-----

देखा मीरा-ने, नवीने, मरी-ने, नानक ने sss ॥२॥
नजर मिलाई थी, हक बार-ये-नजर कैसी

किया यकीन-----

इन्हीं नजरों से तो, खाये हैं, धोखे-पर-धोखे sss
रोशनी होते हुये, गिर पड़े- नजर कैसी

किया यकीन-----

साँच को आँच नहीं- सीख लिया रेवा से sss ॥२॥
यहाँ से दूर चल "श्री बाबा श्री" ये-नजर कैसी.

किया यकीन-----